VISION IAS

www.visionias.in

04 SEP 2019

GENERAL STUDIES (TEST CODE: 1249)

Name of Candidate	Ravi Kumar Sihag		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	168117
Center	MN.	Date	04/09/19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** What do you understand by cultural sensitivity? Identify the ways in which individuals and organisations can benefit from cultural sensitivity in India. **(10)**

आप सांस्कृतिक संवेदनशीलता से क्या समझते हैं? उन रीतियों की पहचान कीजिए जिनसे भारत में व्यक्ति और संगठन सांस्कृतिक संवेदनशीलता से लाभान्वित हो सकते हैं।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता से तात्पर्य किसी भी संस्कृति द्वारा अन्य संस्कृतियों के प्रति संवेदना भाव रखे जाने की प्रक्रिया से है। कोई भी दो संस्कृतियाँ आत्मनिष्ठ रूप से समान होती है। यह 'सापेक्ष सत्य' की धारणा पर आधारित अवधारणा है। इसके अन्तर्गत अंतर-सांस्कृतिक व अंत सांस्कृतिक दोनों प्रकार की संवेदनाएँ समाहित है।

लाभ | व्यक्तिगत

(i) सांस्कृतिक संवेदनशीलता 'विविधता में एकता' की भावना को जन्म देती है।

(ii) दूसरी संस्कृति के विचार 'उच्चतर सत्य' की ओर ले जाती है। उदाहरण के लिये आधुनिक भारत में पश्चिमी संस्कृति के विचारों के कारण स्वतंत्रता, समानता जैसे विचारों का उद्भव हुआ।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ मूल्य विकास :- व्यक्ति में सहिष्णुता, समानुभूति, परोपकार, सम्मान के मूल्यों का विकास। उदाहरण के लिये हिंदू धर्म में विद्यमान सहिष्णुता का मूल्य।

संगठन के लाभ

① कॉर्पोरेट शासन को बढ़ावा।
② विविधता पॉलिसी से कार्यसंस्कृति मजबूत होती है। उदाहरण - अमेरिका
③ सन लाइफ फाइनेंशियल, इसरो, अमूल जैसे निगम व संगठन अपने सांस्कृतिक समावेशन से विकसित हुए है।
④ संगठनात्मक मूल्यों का विकास।
⑤ संगठन की ब्रांड वैल्यू का विकास - हर संस्कृति के लोग स्वीकार करते हैं।

अतः सांस्कृतिक संवेदनशीलता का समावेशन किसी व्यक्ति व संगठन की दक्षता, प्रभावशीलता व मूल्यों में वृद्धि कर सहिष्णु व समावेशी समाज का मार्ग प्रशस्त करता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** In the quest for scientific and technological development, ethical values should not be neglected. Discuss in the current context. **(10)**

वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की तलाश में, नैतिक मूल्यों की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। वर्तमान संदर्भ में चर्चा कीजिए।

विज्ञान व तकनीक के सन्दर्भ में यह सत्य है कि कोई भी तकनीक या विज्ञान नैतिक रूप से तटस्थ होता है। उसे प्रयोग करने वाले व्यक्ति के उद्देश्य ही नैतिक या अनैतिक होते हैं। इस संदर्भ में नैतिकता अवश्यंभावी हो जाती है।

वर्तमान प्रमुख मुद्दे

① तकनीकी विकास करने के मुद्दे

उदा० - क्लिनिकल ट्रायल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजाइनर बेबी जैसे सृजनात्मक प्रयोगों में निहित मुद्दे।

② प्रयोगकर्ता संबंधी मुद्दे :- मुख्यतः साइबर अपराधों के संबंध में एवं सोशल मीडिया के सन्दर्भ में स्टॉकिंग जैसे मुद्दे।

अन्य उदाहरण जैसे विखंडन प्रौद्योगिकी से ऊर्जा भी बनती है व परमाणु बम भी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ तकनीक के फलस्वरूप उत्पन्न हुई यांत्रिकता, 'लघुमानववाद', संत्रास व एकाकीपन से मनुष्य को बचाने हेतु – इसे प्रसिद्ध दार्शनिक 'सार्त्र' ने 'अमानवीकरण' की संज्ञा दी है।

④ विनियम के मुद्दे :- मानवाधिकार यथा - जीवन का अधिकार व निजता का अधिकार संबंधी मुद्दे। उदा० कैम्ब्रिज एनालिटिका प्रसंग। - सरकारों पर नियंत्रण रखने में नैतिकता अपरिहार्य है

अतः नैतिकता एक विज्ञान है जो आज के तकनीकी युग में उच्चतर सत्यों का आविष्कार कर, आचार संहिता निर्धारण कर मानव कल्याण का कार्य करेगी।

हालिया युग में 'मशीन बनाम मनाव' व निजता के अधिकार पर बहसें इसी बात की परिचायक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) In a plural society like India, education should help the individual to celebrate the plurality and visualize the inherent unity of cultures and values. Analyze the statement in the present context with examples. (10)

भारत जैसे एक बहुलवादी समाज में, बहुलता की प्रशंसा करने एवं संस्कृतियों व मूल्यों की अंतर्निहित एकता का दिग्दर्शन करने में शिक्षा को व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए। उदाहरण सहित वर्तमान संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

भारतीय समाज की प्रमुख विशेषता बहुलवाद, बहुसंस्कृतिवाद एवं विविधता में एकता है। अतः विविधता का संवर्धन करने में, विभिन्न समाजों, जातियों में टकराहट रोकने में नैतिकता युक्त शिक्षा निम्न प्रकार से सहायक है।

① शिक्षा के द्वारा छात्रों में संस्कृतियों के प्रति सम्मान की भावना उपजेगी। अमेरिका में काले व गोरे बच्चों को एक साथ शिक्षा देने से रंगभेद की प्रति उग्रता में कमी आई है।

② शिक्षा मूल्यों का विकास करती है जैसे - सहिष्णुता, परोपकार आदि।

③ विवेकानंद जी के अनुसार शिक्षा व्यक्ति को पूर्णता का बोध कराती है। एक प्रबुद्ध व्यक्ति 'मानववादी' होगा व प्रत्येक धर्म

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व संस्कृति के प्रति संवेदना रखेगा।

⑥ शिक्षा रूढ़ीवाद, परंपरावाद पर लगाम लगाती है जिससे 'आस्था' के बजाय 'तर्क' को महत्व मिलता है। एक तर्कशील प्राणी जानता है कि प्रत्येक व्यक्ति समान है व साध्य है।

शिक्षा में सुधार

① शिक्षा को तथ्यों के संग्रह के बजाय बहुआयामी बनाया जाये।

② साहित्य, प्रेरणादायक कहानियों द्वारा संवेदना विकास किया जाये।

③ मूल्यपरक शिक्षा प्रदान की जाये।

④ शिक्षा में विविधता को प्रोत्साहन दिया जाये।

उपर्युक्त प्रयासों द्वारा निश्चित रूप से 'वसुधैव कुटुम्बकम' की धारणा युक्त 'सांस्कृतिक एकता' व सम्मान युक्त समाज का विकास होगा।

2. **(b)** Elucidate Swami Vivekananda's ideas on nationalism. (10)
राष्ट्रवाद पर स्वामी विवेकानंद के विचारों का विशदीकरण कीजिए।

स्वामी विवेकानंद वेदान्ती व मानववादी विचारक थे, जो राष्ट्रवाद को देश की एकता, अखण्डता के निर्माण के लिये आवश्यक समझते थे।

प्रमुख विचार

(1) अंध राष्ट्रवाद के विरोधी
(2) प्रत्येक संस्कृति व धर्म को सम्मान देते हुए समन्वय भावना युक्त राष्ट्रवाद की वकालत। उनका कथन है-
"भारत के विकास के लिये हिन्दू व मुसलमान दोनों धर्मों का संयोग ही एकमात्र आशा है"
(3) विविधता व अन्य संस्कृतियों के मूल्यों को भारतीय समाज में ग्रहण करने पर जोर।
– पश्चिमी विज्ञान की शिक्षा पर जोर
(4) राष्ट्रवाद में आध्यात्मिकता व धर्म का मिश्रण
भारतीय संस्कृति के धार्मिक स्वरूप के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुरूप पश्चिमी अंध भौतिकवाद के विरुद्ध आध्यात्मिक उन्नति के बल पर राष्ट्र विकास का उद्देश्य।

(5) राष्ट्र में समानता पर बल

(6) राष्ट्रवाद में शिक्षा की भूमिका पर बल

शिक्षा → मूल्य विकास → बौद्धिक व आध्यात्मिक विकास → प्रत्येक व्यक्ति स्वधर्म के अनुसार राष्ट्र विकास में सहयोग दे।

(7) समन्वय चेतना युक्त धर्मवाद से राष्ट्र विकास पर बल

इस प्रकार मानवता के उत्थान युक्त उनका राष्ट्रवाद एक पूर्ण संकल्पना है जिसमें मूल्यों के साथ-साथ भारतीयता का समावेशन भी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:

नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आपके लिए उनके क्या मायने हैं:

(a) The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others. Mahatma Gandhi **(10)**

स्वयं को खोजने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप स्वयं को दूसरों की सेवा में खो दें - महात्मा गांधी

आज जिसे दुनिया भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहती है, दूसरे शब्दों में वह स्वयं को खोजने का तरीका या 'स्व - जागरूकता' ही है। गांधीजी के अनुसार दूसरों की सेवा में लीन व्यक्ति आत्म - साक्षात्कार कर पाता है।

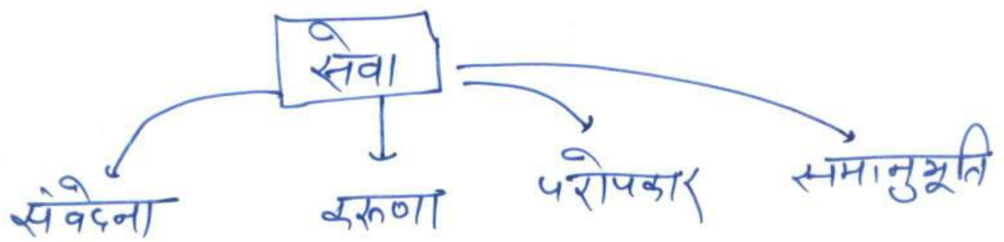

उपर्युक्त सभी मूल्य सेवा से प्राप्त होते हैं। ये मूल्य मनुष्य को संवेदनशील बनाते हैं। संवेदना मनुष्य को चिंतनशील बनाती है। चिंतन करने से ही मनुष्य स्वयं के बारे में जान सकता है।

एरिक फ्रॉम जैसे नव-मार्क्सवादी मनोवैज्ञानिक ने कहा भी है - कि -

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

"आज का मनुष्य यदि यांत्रिक व अमानवीय नहीं होना चाहता तो उसे दूसरों के लिये कुछ करना ही होगा।"

इसी प्रकार आज के 'बिल एण्ड मेलिंडा गेटस' जैसे दानदाता संस्थाओं का उद्देश्य 'देने के सुख' द्वारा आत्म साक्षात्कार व आनंद की प्राप्ति करना ही है।

'गार्डनर' द्वारा बताये गये भावनात्मक बुद्धिमत्ता सिखाने के मॉडल में भी दूसरों की मदद करना, एक्टिव लिसनिंग (Active Listening) जैसे तत्व शामिल हैं जो अन्ततः स्व-जागरूकता को बढ़ाते हैं।

अतः कहा जा सकता है कि सेवा ही वह सीमेंट है जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़कर रख सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) So long as you do not achieve social liberty, whatever freedom is provided by the law is of no avail to you. B.R. Ambedkar (10)

जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक कानून द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का आपके लिए कोई मायने नहीं है - डॉ. बी. आर. आम्बेडकर

आन्द्रे बेतिले (प्रसिद्ध समाजशास्त्री) का कथन है कि " कानून वह दिशा निर्धारित करता है जिस ओर समाज को जाना चाहिये किन्तु सांस्कृतिक मूल्य व परंपराएँ वह वास्तविक दिशा निर्धारित करती हैं, जिस ओर समाज जाता है"

उपर्युक्त कथन अंबेडकर जी के उपयुक्त कथन को स्पष्टत: निर्धारित करता है क्योंकि -

① आज कठोर कानून होने के बावजूद घरेलू हिंसा, बलात्कार जैसे महिला विरोधी कृत्य होना आम है।

पितृसत्तात्मकता → महिला की अधीनस्थ स्थिति।

② जाति व्यवस्था के संदर्भ में भी 1970 के दशक का बेलछी कांड हो या कुछ समय पहले का हरियाणा का कंजर कांड। कानून

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

होते हुए भी दलितों पर अत्याचार आम है क्योंकि 'जाति व्यवस्था' श्रेणीक्रम व सोपानक्रम पर आधारित है व समानता को बाधित करती है।

इसी मायने में कानूनों को मजबूत बनाने के साथ-साथ सामाजिक समानता हेतु निम्न कार्य करने चाहिये।

→ जागरूकता सृजन।
→ असमान वर्गों का सशक्तिकरण करना।
→ कानूनों का उचित क्रियान्वयन व अधिकारियों को प्रशिक्षित करना व संवेदनशील बनाना।
– सबल वर्गों में संवेदना का विकास करना।
(गांधीजी का हृदय परिवर्तन सिद्धान्त)

इन्हीं कारणों से भारत का संविधान राजनीतिक के साथ साथ सामाजिक समानता का प्रावधान करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Explaining the concept of moral attitude, discuss how social media is shaping moral attitudes of people. **(10)**

नैतिक अभिवृत्ति की अवधारणा को समझाते हुए, चर्चा कीजिए कि सोशल मीडिया लोगों की नैतिक अभिवृत्ति को कैसे आकार दे रहा है।

नैतिक अभिवृत्ति से तात्पर्य है कि किसी व्यक्ति में मनोवैज्ञानिक विषयों को लेकर नैतिकता के स्तर, व सोच के स्तर पर नैतिकता की आवृत्ति से है।

उदाहरण के लिये समलैंगिकता को कोई भी व्यक्ति नैतिक रूप से उचित मानता है या नहीं।

सोशल मीडिया व नैतिक अभिवृत्ति

① संवेदना में वृद्धि :- समलैंगिकों के प्रति सोशल मीडिया अभियान, यू-ट्यूब क्लिप आदि संवेदना में वृद्धि करती है।

② समानता के मूल्य में वृद्धि :- सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपने विचार रखने में स्वतंत्रता प्रदान की है।

③ समावेशन में वृद्धि

④ उच्चतर सत्य की ओर :- प्राचीन रूढ़िवादिता

के ~~बाध~~ बजाय तर्कशीलता की ओर रुझान।

नकारात्मक पक्ष

① इसने जाति, धर्म आधारित लामबंदी को बढ़ाकर धार्मिक समन्वय व सहिष्णुता के प्रति नैतिक अभिवृत्ति को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

② व्यक्ति : एक सार्वजनिक वस्तु के रूप में 'साधन' बना दिया है। ('साध्य नहीं')।

③ निजता के अधिकार का मुद्दा।

④ नैतिक के बजाय व्यवहार्य पक्ष को सबल बना सामाजिक मानकों को प्रभावित किया है।

अतः सोशल मीडिया हेतु एक मीडिया एथिक्स का निर्माण कर प्रत्येक यूजर को उसकी भाषा में यह आचार-संहिता प्रेषित करनी चाहिये ताकि नैतिक अभिवृत्ति सकारात्मक बने।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Analyse the importance of both influence and persuasion for effective leadership. (10)

प्रभावकारी नेतृत्व के लिए प्रभाव और अनुनय, दोनों के महत्व का विश्लेषण कीजिए।

प्रभावी नेतृत्व वह कला है जो विभिन्न पक्षों, जनों, समुदायों को लामबंद कर समूह-शक्ति का सृजनात्मक प्रयोग करती है। उदाहरण महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का संचालन।

नेतृत्व में प्रभाव का महत्व

① नेतृत्वकर्त्ता का व्यक्तित्व प्रभावित करे
उदा० अब्राहम लिंकन, नेल्सन मंडेला।

② वक्ता प्रभावी हो :- उदाहरण अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेता।

③ शारीरिक आकर्षण :- कई विद्वान जॉन एफ. कैनेडी के नेतृत्व के पीछे उनके शारीरिक आकर्षण को कारण मानते हैं।

④ कृत्यों का प्रभाव :- महात्मा गांधी द्वारा कोट-पेंट छोड़ धोती पहनने का संकल्प लेना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुनयन का महत्व

(i) समर्थकों को किसी लक्ष्य हेतु तैयार करने में।

(ii) भीषण परिस्थिति (अकाल, दंगे, आक्रमण) के समय समर्थकों का मनोबल बनाये रखने में। उदा० माओ का ग्रेट लीप फॉरवार्ड अभियान।

(iii) निर्णयों का उचित क्रियान्वयन करने में।

भीमराव अंबेडकर द्वारा महार सत्याग्रह में मंदिर प्रवेश के निर्णय का विभिन्न दलित संगठनों द्वारा पालन किया गया।

इस प्रकार प्रभावी नेतृत्व में किसी नेतृत्वकर्ता के ~~व्यक्तित्व~~ व्यक्तिगत पक्ष के प्रभाव के साथ-साथ उनकी अनुनयन क्षमता भी महत्वपूर्ण होती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Analyze the significance of adopting a code of ethics for creating a healthy work culture in an organization. **(10)**

किसी संगठन में एक स्वस्थ कार्य संस्कृति के सृजन हेतु आचार संहिता को अपनाने के महत्व का विश्लेषण कीजिए।

कार्यसंस्कृति से तात्पर्य है –
- किसी संगठन की कार्यशैली कैसी है?
- उसका दर्शन क्या है?
- उसका अपने कर्मचारियों व कर्मचारियों का संगठन के प्रति क्या रवैया है?

आचार-संहिता एक नियमों का सेट है जो व्यक्ति को 'क्या करें' व 'क्या न करें' जैसे मामलों में निर्देशित करता है।

महत्व

① अनुशासन बनाये रखने में
② उचित कार्यसंस्कृति के तत्वों को बनाये रखने में
- लोचशीलता । – भय से सुरक्षा
- विविधता । – वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन
- समानता । – पारदर्शिता
- स्वायत्तता
③ कर्मचारियों के व्यवहार को नियंत्रित करने में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त महत्व के बिंदुओं के बावजूद नियमों का सेट संगठन के लचीलेपन व नवाचार को कम कर सकता है। रूढ़ीवाद को बढ़ावा दे सकता है।

अतः
- आचार संहिता लोचशील हो।
- समय के साथ परिवर्तनीय हो।

अतः आचार संहिता के महत्व को किसी भी संगठन में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 1964 में निर्धारित सिविल सेवा आचार संहिता ने भी सिविल सेवकों को आधारभूत मूल्यों पर दृढ़ रहने को प्रेरित किया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Ethos, ethics, equity and efficiency are key criteria on the basis of which the competency of civil servants should be judged. Analyse. **(10)**

लोकाचार, नीतिशास्त्र, समता और दक्षता वे प्रमुख मापदंड हैं, जिनके आधार पर सिविल सेवकों की कार्यनिर्वाह-क्षमता का आकलन किया जाना चाहिए। विश्लेषण कीजिए।

हालिया समय में सिविल सेवकों की मूल्यांकन व्यवस्था संस्थानम समिति की रिपोर्ट पर आधारित है जिसमें सत्यनिष्ठा जैसे तत्वों पर बल दिया जाता है।

प्रश्न में दिये गये मानकों का महत्व निम्न प्रकार से है।

① लोकाचार :- इससे तात्पर्य लोक-व्यवहार के मानकों से हैं जैसे भारतीय संस्कृति में बड़ों के पैर छूना।

- सिविल सेवक 'डाउन टू अर्थ' होगा तो वह जनभावनाओं को समझेगा। इससे सामाजिक व जन-भागीदारी में वृद्धि होगी।

② नीतिशास्त्र :- इसमें सिविल सेवा के बुनियादी मूल्य जैसे - सत्यनिष्ठा व संवेदना शामिल हो जायेंगे।

③ समता :- सिविल सेवकों को अभिजात्यता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

न कर वंचित वर्गों के कल्याण का कार्य करना चाहिये।
- सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना

(4) दक्षता :- • वित्त के व्यय में।
• नीतियों के क्रियान्वयन में।
- • सेवा डिलीवरी में।

अतः उपर्युक्त सभी मानक एक संपूर्ण डेटा सेट उपलब्ध कराते हैं जो एक सिविल सेवक के व्यवहार को निर्धारित करते हैं।

चुनौतियाँ

(i) आकलन करना कठिन। (लोकाचार को कैसे मापेंगे)

(ii) आत्मनिष्ठता का स्कोप रहेगा।

अतः आकलन हेतु उपर्युक्त आधारों के लिये 'वस्तुनिष्ठ मानदंड' विकसित करने चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. The mandatory nature of Corporate Social Responsibility goes against the notion of philanthropy. Discuss. (10)

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की अनिवार्य प्रकृति परोपकारिता की धारणा के विरुद्ध है। चर्चा कीजिए।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व से तात्पर्य किसी निगम का समाज के प्रति उत्तरदायित्व से है।

समाजिक उत्तरदायित्व क्यों?

① निगम की 'नकारात्मक बाह्यताओं' से समाज को नुकसान होता है।

② संसाधनों पर समाज का स्वामित्व होता है। उदा॰ गांधीजी का ट्रस्टीशिप मॉडल

③ निगम समाज का हिस्सा है।

भारत में कंपनी अधिनियम के तहत सी. एस. आर को (कंपनी के लाभ का 2%) अनिवार्य बनाया गया था।

परोपकार की भावना के विरुद्ध?

(i) परोपकार से तात्पर्य आंतरिक प्रेरणा द्वारा दूसरे की भलाई करना होता है जबकि यहाँ दबाव है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) अन्य देशों में सी. एस. आर स्वैच्छिक है जबकि भारत में बाध्य।

(iii) कंपनियों पर अनावश्यक दबाव क्योंकि दंड व कानून से परोपकार का पालन नहीं हो सकता।

प्रारंभिक तौर पर यह संकल्पना परोपकार के विरुद्ध है। किन्तु कंपनियों के अधिकार के साथ-साथ दायित्व भी होने चाहिये। चूंकि ये समाज से संसाधनों का क्षय करती है अतः इन पर अपने उत्तरदायित्व पालन का दबाव अधिक होना चाहिये। इस कारण से कानून का दंड आवश्यक है।

दूसरे शब्दों में सी. एस-आर का उद्देश्य परोपकार है ही नहीं बल्कि समाज के प्रति दायित्वपालन है। इसलिए स्वेच्छा के अभाव में बाध्यता का प्रयोग करना अनुचित नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. There have been arguments that rich countries owe an obligation to people living in poor countries. In this context, discuss the issues associated with foreign aid. (10)

ऐसे तर्क दिए गए हैं कि समृद्ध राष्ट्र निर्धन राष्ट्रों में रहने वाले लोगों के प्रति दायित्वाधीन हैं। इस संदर्भ में, विदेशी सहायता से जुड़े मुद्दों की विवेचना कीजिए।

प्रकृति के संसाधन सीमित है जबकि मनुष्य की उपभोग की लालसा असीमित। आज के समृद्ध राष्ट्र समृद्ध इसलिए हो पाये क्योंकि उन्होंने अधिक संसाधनों के उपभोग के लिये निर्धन राष्ट्रों का शोषण किया। उनकी उपभोग क्षमता भी निर्धन राष्ट्रों से अधिक है। इस सन्दर्भ में उनका दायित्व भी अधिक है।

विदेशी सहायता संबंधी मुद्दे

1. शर्तयुक्त विदेशी सहायता - कठोर शर्तें
2. विदेशी सहायता के बहाने देशों (निर्धन) की संप्रभुता में उल्लंघन।
3. सहायता के दुरुपयोग द्वारा समृद्ध राष्ट्रों की कंपनियाँ निर्धन राष्ट्रों के संसाधनों पर अधिकार जमा, 'नव-उपनिवेशवाद' मानसिकता पर चल रही है। उदा॰ अफ्रीका

(4) सहायता द्वारा आर्थिक संरचना बदलने का दबाव। उदा० IMF सहायता हेतु उदारीकरण जरूरी।

(5) सहायता व आधुनिक मूल्यों - लोकतंत्र व मानवाधिकार के नाम पर अनुचित हस्तक्षेप।

(6) इन सभी मुद्दों के संदर्भ में एक अन्य मुद्दा जलवायु वित्त का भी है जो 'समान किन्तु विभेदित उत्तरदायित्व' पर आधारित है किन्तु यहाँ भी समृद्ध राष्ट्र पीछे हट रहे है।

इस प्रकार उपर्युक्त मुद्दों के समाधान हेतु -

(i) विकसित राष्ट्रों को जिम्मेदारी समझनी होगी।
(ii) 'वैश्विक नैतिकता' का निर्माण करना।
(iii) संयुक्त राष्ट्र को लोकतांत्रिक बनाना।
(iv) तृतीय विश्व की आवाज को सशक्त बनाना

जैसे उपायों के द्वारा ही मुद्दों का समाधान संभव है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. It is essential that people have access to information if they are to have the capacity to exercise other rights. Discuss the statement with focus on importance of RTI in governance. **(10)**

यदि लोगों को अन्य अधिकारों का उपयोग करने की क्षमता प्राप्त करनी है, तो सूचना तक उनकी पहुँच होना अनिवार्य है। शासन (गवर्नेंस) में RTI के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करते हुए इस कथन की विवेचना कीजिए।

किसी भी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता उसके विकल्पों पर निर्भर करती है, विकल्पों की बहुलता संकल्प स्वातंत्र्य को जन्म देती है; यही बहुलता सूचना से आती है।

अतः सूचना तक पहुँच व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाकर जीवन गुणवत्ता समृद्ध करती है।

सूचना का अधिकार

- सूचना प्राप्ति ↓ चर्चा में वृद्धि ↓ लोकतंत्र = चर्चा की संस्कृति ⇓ लोकतंत्र मजबूत ⇓
- अनुच्छेद 19 = जानने की स्वतंत्रता
- सूचना प्राप्ति ⇓ जागरूकता ⇓ अधिकारों, पात्रता के प्रति ⇓

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकतांत्रिक अधिकार मजबूत | ↳ सरकारी कार्यक्रमों व योजनाओं का लाभ मिलेगा।

अतः सूचना का अधिकार एक नागरिक मार्गद्वार है जिसने व्यक्ति के जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21), वाक् व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार (अनु० 19), शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनु० -24) (कानूनों की जागरूकता उदा० न्यूनतम मजदूरी अधिनियम) के प्रति जागरूक बनाया है।

⇒ घोटालों जैसे (आदर्श सोसाइटी घोटाला) के पर्दाफाश से आर्थिक अधिकार मजबूत हुए हैं।

अतः सूचना व मानव-अधिकार में अन्तर्संबंध है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You have been recently appointed as the head of tourism department of a state in India that has many places of great historical importance. In the past few years, the state has witnessed a decrease in tourist inflow. Upon enquiry, you come to know that this decrease is largely attributed to the influence of touts and harassment of tourists, including unwanted advances and grossly overcharging them for various services. You also did a quick search about your state on leading travel advisory websites and found that it has earned a dubious reputation for being particularly unsafe for women tourists.

Given the situation, answer the following:

(a) Do you think that such a state of affairs can be attributed to insensitivity prevailing in the society? How can the community be made more sensitive towards tourists?

(b) Suggest some measures to make a quick turnaround in terms of reputation, employment generation and rebuild the reputation of the state as a safe haven for tourists. **(20)**

आपको हाल ही में भारत में ऐतिहासिक महत्व के कई स्थलों वाले एक राज्य के पर्यटन विभाग का प्रमुख नियुक्त किया गया है। विगत कुछ वर्षों में, राज्य में पर्यटकों के आगमन में कमी देखी गई है। पूछताछ करने पर, आपको पता चलता है कि इस कमी का कारण मुख्य रूप से दलालों का प्रभाव और पर्यटकों का उत्पीड़न है, जिसमें अवांछित अग्रिम एवं विभिन्न सेवाओं के लिए उनसे अत्यधिक शुल्क वसूलना सम्मिलित है। आप प्रमुख यात्रा सलाहकार वेबसाइटों पर अपने राज्य के संबंध में त्वरित खोज भी करते हैं और पाते हैं कि इस राज्य की छवि ने महिला पर्यटकों के लिए विशेष रूप से असुरक्षित होने की छवि बन गई है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) क्या आप मानते हैं कि इस प्रकार की स्थिति के लिए समाज में व्याप्त असंवेदनशीलता को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है? समुदाय को पर्यटकों के प्रति और अधिक संवेदनशील कैसे बनाया जा सकता है?

(b) प्रतिष्ठा (साख) व रोजगार सृजन के संदर्भ में त्वरित बदलाव लाने और पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित स्थल के रूप में राज्य की प्रतिष्ठा को पुनर्बहाल करने हेतु कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

'सेंट ऑगस्टाइन' का कथन है - जो यात्रा नहीं करते, वे इस दुनिया रूपी किताब का एक ही पृष्ठ पढ़ पाते हैं।

किन्तु पर्यटन का क्षेत्र केस अध्ययन में निर्धारित कुछ समस्याओं से पीड़ित है।

प्रमुख तथ्य
- पर्यटकों की असुरक्षा
- अधिक शुल्क लेना
- राज्य की खराब छवि

मूल्य
- 'अतिथि देवो भव:' सम्मान का मूल्य।
- समानुभूति, करुणा व सत्यनिष्ठा के मूल्य

केस

प्रमुख हितधारक
① पर्यटक : सुरक्षा व उचित मनोरंजन का हित।
② राज्य प्रशासन : समस्याओं को दूर करना।
③ दलालों का हित : धन अर्जित करना।
④ समाज — समतामूलक सुरक्षित समाज का हित
⑤ देश : अन्तर्राष्ट्रीय छवि सुधारना
⑥ मैं — उचित कार्यवाही करने का हित।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाज में व्यापक असंवेदनशीलता

① किसी स्थान पर जो अपराध व कार्य होते हैं, वे उस समाज का प्रतिबिम्ब ही होते हैं। अतः दलाली को समाज द्वारा स्वीकृति मिलती है, तभी पर्यटकों का आर्थिक शोषण होता है।

② महिला अपराधों में वृद्धि (पर्यटकों पे) पितृसत्तात्मक समाज का प्रतीक है।

③ समाज में जागरूकता का स्तर निम्न होना भी असंवेदनशीलता का प्रमुख कारण हो सकता है।

④ अधिक पर्यटन के लाभों से अनभिज्ञ रहना भी कारण।

संवेदनशील बनाने के उपाय

① व्यापक प्रचार-प्रसार करना।

② भारतीय संस्कृति में विद्यमान 'अतिथि देवो भव:' के मूल्यों द्वारा 'अनुनयन'।

③ आर्थिक लाभों का महत्व बताकर हॉब्स के स्वार्थवाद' की भाँति आर्थिक महत्व को स्वार्थ से जोड़ना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों, विद्यालय व विश्वविद्यालय कॉलेजों के छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों को जोड़कर 'यूथ पार्लियामेंट' बनाकर व्यापक प्रचार कार्य करना।

⑤ नैतिक शिक्षा व मूल्यों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करना।

⑥ महिला सशक्तिकरण व महिला संवेदनशीलता को बढ़ावा देना।

पर्यटन में सुझाव

प्रतिष्ठा अर्जन व पर्यटकों की सुरक्षार्थ

- कड़े दंड व अपराधों की व्यापक जाँच कर अपराधियों पर कठोर कार्यवाही → राज्य की गंभीरता का संदेश जायेगा।
- पर्यटन हेल्पलाइन नम्बर जारी करना (24x7)
- सभी पर्यटक हितधारकों को पर्यटकों हेतु उचित शिक्षा प्रदान करना जैसे- टैक्सी के किराये के बारे में आदि।
- तकनीक का प्रयोग - सी. सी. टी. वी.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- जी.पी.एस जैसी तकनीकों द्वारा व्यापक सुरक्षा।
- अतुल्य भारत 2.0 के सावधानों के अनुरूप पर्यटन सुरक्षा।

रोजगार प्रदान करने में सुझाव।

1. अवसंरचना विकास।
2. व्यापक मार्केटिंग कर 'ब्रांड' को मजबूत बनाना।
3. 'सार्वजनिक-निजी भागीदारी' में कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना।
4. सामुदायिक भागीदारी को मजबूत बनाकर आपूर्ति-श्रृंखला को मजबूत बनाना।
5. तकनीक का प्रयोग करना।

अतः उपयुक्त उपायों द्वारा पर्यटक-सुरक्षा, राज्य की प्रतिष्ठा को बढ़ाकर पर्यटन क्षेत्र का संपूर्ण विकास किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. A private company has proposed a large-scale hydel power project to tap the potential of a fast-flowing river in a state predominantly occupied by indigenous tribal groups. The state is backward and badly needs funds for socio-economic development. The state government is deliberating on the issue and is yet to take a final decision on the matter.

While the project is expected to generate substantial revenue and employment, it will submerge the surrounding areas eventually displacing the tribals. Another issue of concern is that the tribal community regards this land and the river as sacred and integral to their cultural heritage. Thus, the tribals are not in favour of going ahead with the project and are already protesting against it. Their leader has threatened to initiate a hunger strike if the government goes ahead with the project. This has caught the attention of the mainstream media and social activists.

Based on the information given above, answer the following:

(a) Identify the stakeholders involved in the case and their respective interests.

(b) Keeping in mind the issues involved, how can differing interests be reconciled for ensuring sustainable development in the area? **(20)**

एक निजी कंपनी ने मुख्यत: देशज आदिवासी समूहों की आबादी वाले राज्य में एक तेज बहाव वाली नदी से प्राप्य संभावनाओं का दोहन करने के लिए एक वृहद् जल विद्युत परियोजना का प्रस्ताव दिया है। यह राज्य पिछड़ा है और इसे सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु अत्यधिक धन की आवश्यकता है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर विचार-विमर्श कर रही है और इस प्रकरण पर अभी अंतिम निर्णय लेना शेष है।

जहां इस परियोजना से पर्याप्त राजस्व और रोजगार सृजन की आशा है, वहीं इससे आस-पास के क्षेत्र जलमग्न हो जाएंगे, जिससे अंततः आदिवासियों को विस्थापित होना पड़ेगा। चिंता का एक और मुद्दा यह है कि आदिवासी समुदाय इस भूमि तथा नदी को पवित्र एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए अभिन्न मानते हैं। इस प्रकार, आदिवासी इस परियोजना को आगे बढ़ाने के पक्षधर नहीं हैं और पहले से ही इसका विरोध कर रहे हैं। उनके नेता ने सरकार द्वारा इस परियोजना को आगे बढ़ाए जाने की स्थिति में आमरण अनशन आरंभ करने धमकी दी है। इसने मुख्यधारा के मीडिया और सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी ध्यान आकर्षित किया है।

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) सम्मिलित मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, क्षेत्र में संधारणीय विकास सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न हितों के बीच कैसे समन्वय स्थापित किया जा सकता है?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर्यावरण व विकास के अन्तर्विरोध को जाहिर करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों पर विकास के प्रभावों का वर्णन करने वाला यह केस अध्ययन नीति-निर्माताओं के समक्ष समन्वय स्थापित करने की व्यापक चुनौती खड़ी करता है।

प्रमुख हितधारक	हित
① निजी कंपनी	- वृद्धि व विकास करना - रोजगार संवृद्धि - लाभार्जन।
② आदिवासी समूह	- विस्थापन का खतरा - संस्कृति के लुप्त होने का खतरा।
③ सरकारी पक्ष	समावेशी विकास (पर्यावरण व आर्थिक पक्ष में समन्वय) का हित।
⑥ संपूर्ण समाज	विकास के मॉडल में उपयुक्तता लाने का हित व पर्यावरण रूपी साझा संसाधन (common good) को बचाने का हित

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- समाज के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन का हित।

प्रमुख मूल्य :-

① सत्यनिष्ठा - प्रोजेक्ट संचालन हेतु
② समानुभूति, करुणा व सहिष्णुता - आदिवासियों की मांग समझने के लिये।
③ साहस व दृढ़ता - विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिये।
④ न्याय :- आदिवासियों के पक्ष में।

उपर्युक्त तथ्यों व परिस्थितियों के मद्देनजर कार्यवाही का औचित्य निम्न बातों पर निर्भर करेगा।

① अस्तित्व विकास से पहले है। यदि प्रोजेक्ट से पर्यावरणीय क्षति होकर अस्तित्व पर खतरा होता है तो इसकी व्यवहार्यता संदिग्ध है।

② आदिवासियों का कल्याण प्रोजेक्ट की पूर्व शर्त है क्योंकि विकास किसी के जीवन व गरिमा की क्षति पर न हो।

गांधीजी के अनुसार - मनुष्य साध्य है, साधन नहीं।

③ जॉन रॉल्स के न्याय सिद्धान्त के अनुरूप यदि हम पर अज्ञानता का पर्दा डाला जाये तो आदिवासियों की चिंताओं को बेहतर समझ पायेंगे।

④ अंतिम पक्ष है कि क्या इस कार्यवाही को सार्वभौमिक बना पायेंगे। (कांट का नियम)

⑤ पर्यावरणीय नैतिकता पर प्रोजेक्ट को रखना।

कार्यवाही

प्रोजेक्ट

1. तृतीय पक्ष पर्यावरणीय प्रभाव आकलन करना।
2. जन-सुनवाई को प्रथम चरण में रखना।
3. प्रोजेक्ट की नकारात्मक बाह्यताओं की व्यापक गणना।
4. प्रोजेक्ट से पर्यावरण

आदिवासी पक्ष

1. व्यापक विचार विमर्श करना
2. ग्राम सभा से बात करना।
3. यदि प्रोजेक्ट व्यवहार्य हो तो पूर्णतः मुआवजा देकर पुनर्वास नीति पहले लागू करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व आदिवासी जीवन की हानि की चर्चा करना

4. आदिवासियों को व्यापक प्रशिक्षण देकर प्रोजेक्ट में भागीदार बनाया जा सकता है

रोजगार | आर्थिक विकास

पुनर्वास नीति :- दीर्घकालिक व बहुपक्षीय हो
- प्रोजेक्ट की शुरुआत से पूर्व हो।

अत: 'न्याय' व आदिवासियों के अधिकारों को बनाये रखते हुए ही अंतिम निर्णय लेना चाहिये ताकि भविष्य के कुप्रभावों व नक्सलवाद जैसी समस्याओं की पुनरावर्ती से बचा जा सके।

11. You are posted as Superintendent of Police (SP) in a district, which has a bustling market in the district headquarters with a high footfall. The area has traditionally been occupied by street vendors and hawkers. They form an intrinsic part of the market system in the area and derive their livelihood from it. Recently, you got reports that the policemen posted in the area harass the hawkers and also extort 'hafta' – a weekly bribe - from them despite complying with the laws. It has been brought to your notice that while those who comply with this arrangement are allowed to carry on with their daily operations, those who do not are being evicted from the market area. In the process of eviction, they are even physically assaulted and their saleable items are often confiscated and destroyed. As a result, some street vendors have been staging protests against the local administration in the market and have blocked the normal market passage. They have also threatened to intensify their protest over a period of time. The local police, however, has been in denial of any such wrong doings and argue that they are merely removing illegal encroachments, which were causing traffic jam in the area. In this situation, answer the following:

(a) Mention the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) As the Superintendent of Police, what course of action would you adopt for diffusing the tensions in the area? Also, suggest some policy recommendations, which will help resolve the issues in the long-term. **(20)**

आप एक ऐसे जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में पदस्थापित हैं, जिसके जिला मुख्यालय में भारी आवाजाही वाला व्यस्त बाजार है। इस क्षेत्र में पारंपरिक रूप से पटरी दुकानदारों और फेरीवालों का कब्जा रहा है। पटरी दुकानदार और फेरीवाले, क्षेत्र में बाजार प्रणाली का स्वाभाविक भाग हैं तथा इससे अपनी आजीविका चलाते हैं। हाल ही में आपको सूचना मिली है कि क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मी कानूनों का पालन करने के बावजूद फेरीवालों को परेशान करते हैं और उनसे 'हफ्ता' (साप्ताहिक रिश्वत) भी वसूलते हैं। आपके संज्ञान में लाया गया है कि इस व्यवस्था का अनुपालन करने वाले लोगों को अपने दैनिक कार्य करने की अनुमति है, जबकि अनुपालन न करने वाले लोगों को बाजार क्षेत्र से बेदखल किया जा रहा है। बेदखली की प्रक्रिया में, यहां तक कि उन पर शारीरिक रूप से हमला भी किया जाता है और उनकी पण्य वस्तुओं को प्राय: जब्त कर लिया जाता है और नष्ट कर दिया जाता है। परिणामस्वरूप, कुछ पटरी दुकानदार स्थानीय प्रशासन के विरुद्ध बाजार में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने बाजार का सामान्य मार्ग अवरुद्ध कर दिया है। उन्होंने समय बीतने के साथ अपना विरोध और तेज करने की भी धमकी दी है। हालांकि, स्थानीय पुलिस ऐसे किसी भी गलत कार्य से इनकार करती है और तर्क देती है कि वे केवल अवैध अतिक्रमणों को हटा रहे हैं, जो क्षेत्र में ट्रैफिक जाम का कारण बन रहे थे। इस स्थिति में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, क्षेत्र में तनाव को कम करने हेतु आप क्या कार्रवाई करेंगे? साथ ही, कुछ नीतिगत अनुशंसाओं के भी सुझाव दीजिए, जो दीर्घावधि में इन मुद्दों का समाधान करने में सहायता करेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

संविधान के अनुच्छेद 19 (1) - (आजीविका का अधिकार) के उल्लंघन के साथ - साथ अधिकारियों की भ्रष्ट तन्त्रता का पर्दाफाश उपयुक्त केस अध्ययन में किया गया है। साथ ही 'सामाजिक न्याय' का मुद्दा भी इसमें सम्मिलित है।

प्रमुख हितधारक

① फेरीवाले :- आजीविका कमाने व उत्पीड़न के विरुद्ध अधिकार

② पुलिसकर्मी (स्थानीय) - सत्यनिष्ठा, संवेदना व ईमानदारी पूर्वक कार्य करने का हित।

③ मैं - व्यवस्था बहाली का हित।
- साहस व दृढ़ता का मूल्य।
- कार्यसंस्कृति सुधारने का हित

④ संपूर्ण समाज :- बाजार के विकास द्वारा आर्थिक विकास व न्याय के मूल्यों का हित।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक मुद्दे

① फेरीवालों के आजीविका के अधिकार हनन का मुद्दा।

② पुलिसकर्मियों के अत्याचार व उत्पीडन का मुद्दा (संवेदना का अभाव)

③ 'हफ्ता वसूलने' जैसे गैर-कानूनी कार्य समाप्त करने का मुद्दा।

④ अतिक्रमण व ट्रैफिक जाम जैसी व्यवस्था बहाली का मुद्दा।

⑤ 'शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन' करने का मुद्दा।

⑥ पुलिस की छवि व कार्यसंस्कृति को सुधारने का मुद्दा (संपूर्ण पुलिस सुधार)

कार्यवाही का ~~संपूर्ण~~ स्वरूप

① तथ्यों की जाँच :- पूरी जाँच-पड़ताल, विभिन्न हितधारकों से बात कर मामले की तह तक जाना।

② विरोध प्रदर्शन करने वालों को समझाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व गैर-कानूनी प्रयासों द्वारा विरोध प्रदर्शन को रोककर कार्यवाही का आश्वासन देना।

③ पीड़ितों के बयान दर्ज कर पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही करना। यहाँ चेतावनी देना पर्याप्त नहीं होगा क्योंकि मामला पीड़ितों के उत्पीड़न (शारीरिक, मानसिक व आर्थिक) का है।

④ अवैध अतिक्रमण व ट्रैफिक जाम पर उचित कार्यवाही कर व्यवस्था बहाल करना।

दीर्घकालिक समाधान की अनुशंसा

① स्ट्रीट वेंडर अधिनियम का अक्षरश: पालन किया जाये।

② पुलिस में भ्रष्टाचार व असंवेदना को रोकने हेतु नैतिकता प्रशिक्षण देना।

③ ऐसे बाजारों में तकनीक का प्रयोग - कैमरा आदि लगाकर नियमित जाँच करना।

④ भीड़-भाड़ वाले बाजारों के आस-पास पार्किंग स्थल बनाकर उसमें पैदल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यात्रा का सावधान करना । ट्रैफिक नियंत्रण को काबू करने के लिये।

(5) पुलिस के व्यवस्था निर्माण के पक्ष को मजबूत करने के लिये अतिक्रमण पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाना।

अतः उपर्युक्त अनुशंसाओं द्वारा सभी हितधारकों के हित भी पूरे होंगे। साथ ही पुलिस व्यवस्था की खामियों का भी निराकरण किया जा सकेगा क्योंकि पुलिस जनता की सुरक्षा के लिये है। उत्पीडन हेतु नहीं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. A mid level manager in a food and beverages firm has been assigned the responsibility to deal with tensions arising in a rural area between the firm and the local farmers. These farmers supply the company with bananas, which are used exclusively by the company in its niche products. The banana plantations are growing a variety developed by the firm. The core issue revolves around the perceived violation of company's IPR as many of the farmers in the neighbouring areas have also started growing the same variety of banana. It is suspected that the farmers with whom the company had a contract have shared the breed with others in the region. The legal department of the firm is of the opinion that a legal complaint against the farmers is the only way to protect the IPR of the company. It would also set a precedent for the future. However, many in the firm also believe that such a step would escalate the matter.

In such a scenario, identify the key issues to be addressed. What measures would you suggest to deal with these issues? **(20)**

खाद्य एवं पेय पदार्थ से संबंधित एक फर्म के मध्यवर्ती स्तर के एक प्रबंधक को फर्म और स्थानीय किसानों के बीच ग्रामीण क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले तनावों से निपटने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इन किसानों द्वारा कंपनी को केले की आपूर्ति की जाती है, जिनका विशेष रूप से कंपनी द्वारा अपने आला (उच्च दर्जे के) उत्पादों में उपयोग किया जाता है। केले के बागानों में उक्त फर्म द्वारा विकसित एक किस्म उगायी जा रहा है। मुख्य मुद्दा कंपनी के IPR के कथित उल्लंघन के इर्द-गिर्द है क्योंकि पड़ोसी क्षेत्रों के कई किसान भी केले की यही किस्म उगाने लगे हैं। यह संदेह व्यक्त किया गया है कि जिन किसानों के साथ कंपनी का अनुबंध था, उन्होंने क्षेत्र के अन्य लोगों के साथ यह किस्म (ब्रीड) साझा की है। फर्म के विधि विभाग का विचार है कि किसानों के विरुद्ध कानूनी शिकायत ही कंपनी के IPR की रक्षा करने का एकमात्र उपाय है। यह भविष्य के लिए भी एक पूर्व उदाहरण स्थापित करेगा। हालाँकि, फर्म के कई लोगों का यह भी मानना है कि इस प्रकार के कदम से मामला और आगे बढ़ेगा।

ऐसे परिदृश्य में, संबोधित किए जाने वाले प्रमुख मुद्दों की पहचान कीजिए। इन मुद्दों से निपटने के लिए आप किन उपायों का सुझाव देंगे?

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You have recently been posted as a probationary officer in the District Magistrate's office in a tribal district. During one of the fieldtrips, while interacting with the tribals, you come to know about a private company, established a few years back, which has transformed their lives. The company, using the traditional knowledge of tribals, had launched a series of products and provided numerous livelihood opportunities to the tribals.

Upon further enquiry, you come to know that while the lives of tribals had indeed improved, the distribution of profits however, has been quite disproportionate. The company has seen a huge growth in its operations and its owners have amassed huge wealth. It is also planning to file for IPR, which may further hinder the interests of the tribals.

You feel that tribals have been left short changed and there has not been an equitable sharing of benefits arising out of the use of their resources. When you tried to approach the Gram Sabha and voice your concerns, the tribals requested you not to intervene as they do not have any alternatives. They also argue that governments in the past have failed to protect their interests.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the different stakeholders and their interests involved in this case.

(b) Present a case to convince the District Magistrate for the need of government intervention in the situation. **(20)**

आपको हाल ही में एक जनजातीय जिले में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में एक परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में पदस्थापित किया गया है। एक क्षेत्र भ्रमण के दौरान, आदिवासियों से बातचीत करते हुए, आपको कुछ वर्ष पूर्व स्थापित एक निजी कंपनी के बारे में पता चलता है, जिसने उनके जीवन का कायापलट कर दिया है। आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करते हुए, कंपनी ने उत्पादों की एक शृंखला आरंभ की थी और आदिवासियों के लिए आजीविका के कई अवसर उपलब्ध कराए थे।

अधिक पूछताछ करने पर, आपको पता चलता है कि जहां आदिवासियों के जीवन में वास्तव में सुधार हुआ है, वहीं लाभ का वितरण अत्यंत असंगत (अननुपातिक) रहा है। कंपनी के परिचालनों में भारी वृद्धि देखी गई है और इसके स्वामियों ने अत्यधिक धन-संपत्ति अर्जित की है। कंपनी IPR भी फाइल करने की योजना बना रही है, जो आदिवासियों के हितों में आगे बाधक भी बन सकता है।

आप अनुभव करते हैं कि आदिवासियों को वंचित रखा गया है और उनके संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों का एक समान बंटवारा नहीं हुआ है। जब आपने ग्राम सभा से संपर्क करने और अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराने का प्रयास किया, तो आदिवासियों ने आपसे हस्तक्षेप न करने का अनुरोध किया, क्योंकि उनके पास और कोई विकल्प नहीं है। उनका यह भी तर्क था कि अतीत में सरकारें उनके हितों की रक्षा करने में विफल रही हैं।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित विभिन्न हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) इस स्थिति में सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता है, जिला मजिस्ट्रेट को यह समझाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत कीजिए।

विभिन्न कॉर्पोरेट्स द्वारा अंधलाभ की आकांक्षा में स्थानीय लोगों व पर्यावरण का जो दोहन किया जाता है, उसके साथ-साथ विकास के असमान लाभों का विवरण भी इस केस अध्ययन में किया गया है।

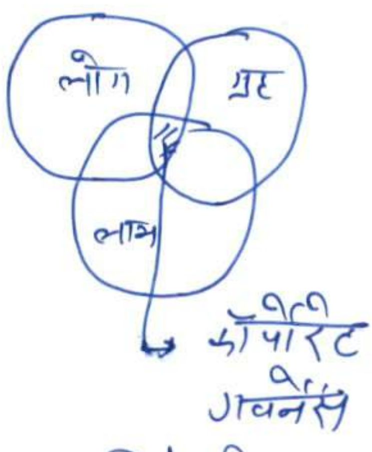

प्रमुख हितधारक

① निजी कंपनी - लाभार्जन का हित। इसके लिये वह आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान का प्रयोग कर रही है।
- बौद्धिक संपदा अधिकार का हित।

② आदिवासी :- ⊕ एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग का उचित प्रयोग होने का हित (जैव विविधता अधिनियम व नगोया प्रोटोकॉल)
- आजीविका अर्जन का मुद्दा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- प्रशासनिक शिथिलता व उचित लाभों से वंचितता।

③ प्रकृति :- पर्यावरणीय साझा संसाधनों (common good) के संरक्षण का हित।

④ मैं :- उचित कर्तव्यपालन व सत्यनिष्ठा, संवेदना, समानुभूति जैसे मूल्यों को बनाये रखने का हित।

⑤ संपूर्ण राष्ट्र व समाज :- प्राकृतिक संसाधनों व पारंपरिक ज्ञान को अनुचित IPR से बचाने का हित
- आदिवासियों की रक्षा कर सामाजिक न्याय का हित।

कार्यवाही का स्वरूप

① बातचीत :- आदिवासी नेताओं को विश्वास बहाली में लेते हुए उनकी भाषा के जानकारों को साथ में लेते हुए उचित कार्यवाही का आश्वासन दूंगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② पर्यावरण व बौद्धिक संपदा के विशेषज्ञों को लेते हुए उपयुक्त मामले की वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट तैयार करना जिसमें आदिवासी ग्रामसभा के इनपुट शामिल हों।

③ कॉर्पोरेट के अनुचित लाभों की रिपोर्ट तैयार करना।

④ आजीविका के खतरे के समाधान हेतु आदिवासियों को प्रबल आश्वासन देना। इस हेतु मीडिया की मदद भी ली जा सकती है।

अतः 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' व प्रभावी अनुनयन के बल पर मैं आदिवासियों को विश्वास में लेते हुए उनके पक्ष में रिपोर्ट तैयार कर मजिस्ट्रेट को निम्न तर्क दूँगा।

① स्थानीय व पारंपरिक ज्ञान पर केवल इन आदिवासियों का स्वामित्व है।

② पुराने हल्दी व रुद्राक्ष के पेटेंट के उदाहरण देकर उपयुक्त मामले में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

IPR विशेषज्ञों के तर्कों द्वारा गंभीरता का वर्णन करूँगा।

③ वन अधिकार अधिनियम में स्थानीय व पारंपरिक ज्ञान के सदुपयोग के उल्लंघन की जानकारी दूंगा।

④ 'सामाजिक न्याय' के उनके दायित्व का हवाला देकर अंतर-आत्मा को जगाने व संवेदना विकसित करने का प्रयास करूँगा।

⑤ निजी कंपनी के खराब कॉर्पोरेट शासन के तथ्य देकर उचित कार्यवाही हेतु उन्हें प्रेरित करूँगा।

इस प्रकार मेरे संपूर्ण प्रकरण में आदिवासियों का विकास व अस्तित्व केन्द्र में रहेगा ताकि विकास की मुख्यधारा में उन्हें एक सक्रिय सहभागी बनाया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Various studies have found out that cases of depression and mental illness have increased exponentially in the recent past. Also, in the age group of 15-30 years, this problem is further pronounced. Furthermore, the rising trend of suicides in this age group has been attributed to depression.

Given the situation, answer the following questions:

(a) Present an ethical critique of the prevalent societal attitude towards mental illness.

(b) Given the magnitude of the problem among younger generation/young adults, analyse the role of the following:

i. Parenting

ii. Social Media

iii. Video Games **(20)**

विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि हाल के दिनों में अवसाद और मानसिक रोगों के मामले तेजी से बढ़े हैं। साथ ही, 15-30 वर्ष के आयु वर्ग में, यह समस्या और स्पष्ट है। इसके अतिरिक्त, इस आयु वर्ग में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए अवसाद को उत्तरदायी ठहराया गया है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मानसिक बीमारी के प्रति प्रचलित सामाजिक अभिवृत्ति की नीतिशास्त्रीय आलोचना प्रस्तुत कीजिए।

(b) युवा पीढ़ी/युवा वयस्कों के मध्य इस समस्या की भयावहता को देखते हुए, निम्नलिखित की भूमिका का विश्लेषण कीजिए:

i. परवरिश (Parenting)

ii. सोशल मीडिया

iii. वीडियो गेम

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार पिछले वर्षों (2011-15) में 40,000 छात्रों ने आत्महत्या की। यदि इनमें 30 वर्ष तक की उम्र को जोड़ लिया जाये तो यह आँकड़ा और भी भयावह हो जाता है। आत्महत्या का प्रमुख

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कारण मानसिक अवसाद है। साथ ही, 'स्टेट ऑफ डिजीज बर्डन रिपोर्ट' के अनुसार भारत में बिमारियों का बोझ संक्रामक बीमारियों से गैर-संक्रामक व मानसिक बीमारियों की ओर खिसक रहा है (1990-2016 में)

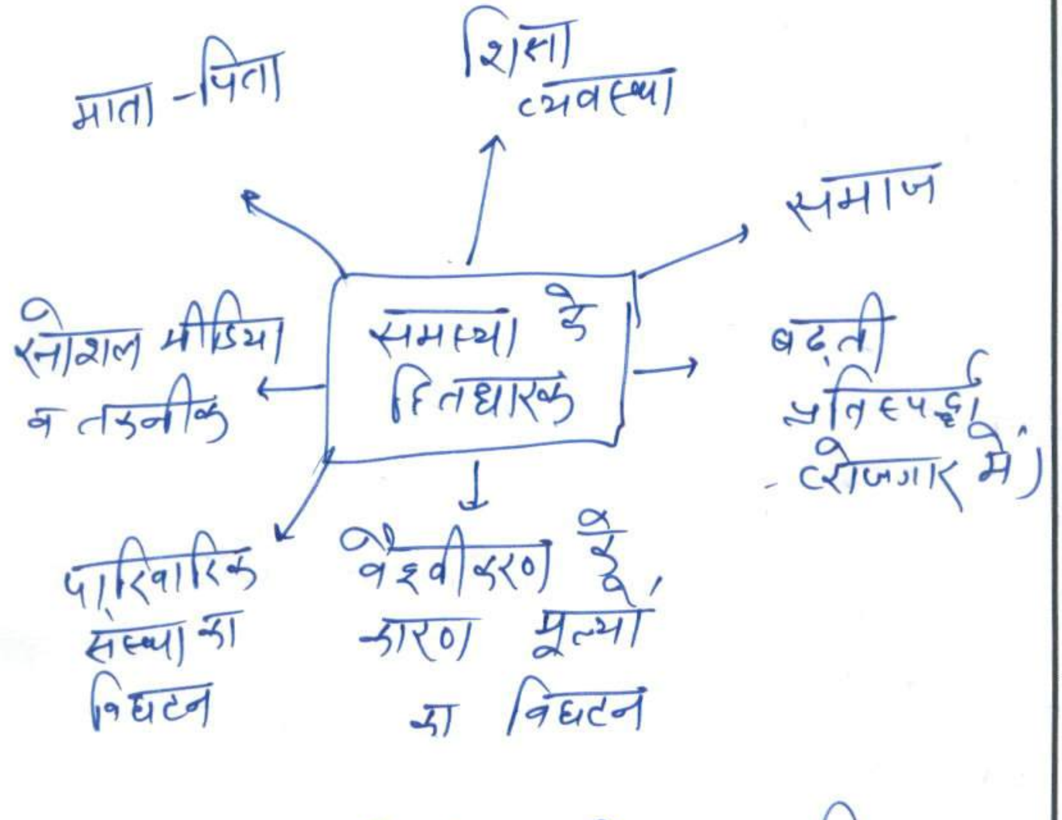

"मानसिक बीमारी के प्रति सामाजिक अभिवृत्ति":-
भारत में मानसिक बीमारियों के

के प्रति समाज की अभिवृत्ति सकारात्मक नहीं है। मानसिक रोगी को प्रायः 'हेय दृष्टि' से देखा जाता है। इसे चिकित्सकीय व स्वास्थ्य समस्या न मानकर व्यक्तिगत समस्या' माना जाता है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे

(i) असमान व्यवहार - मनुष्य को 'साध्य' न समझा जाना।

(ii) उत्पीड़न व भेदभाव का मुद्दा।

(iii) व्यापक चर्चा व बातचीत का अभाव।

(iv) मानसिक बीमारी से युक्त व्यक्ति नैतिक रूप से तटस्थ होता है क्योंकि 'संकल्प स्वातंत्र्य' व 'विकल्पों का अभाव' उसके कार्यों को नैतिकता से परे सिद्ध करता है।
↳ समाज में बात के प्रति जागरूकता नहीं है।

(v) संवेदना, समानुभूति, करुणा, दया सहानुभूति जैसे मूल्यों का घोर अभाव।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(vi) नकारात्मक अभिवृत्ति।

अतः समाज में इस समस्या के प्रति प्रायः नकारात्मक अभिवृत्ति ही विद्यमान है।

विभिन्न हितधारकों की भूमिका

① परवरिश :- प्रभावी परवरिश व सामाजिक समर्थन का अभाव इस समस्या की भयावहता को बढ़ा सकता है। टूटते परिवार, रिश्तों की यांत्रिकता, बड़ों की उपेक्षा ने युवाओं को नितांत अकेला बना दिया है।

क्या किया जाये - पारिवारिक समर्थन मिले।
- बूढ़ों की भूमिका बढ़ाई जाये।
- माता-पिता समय निकाले।
- सामाजिक समर्थन दिया जाये।

② सोशल मीडिया :- फोमो (fear of missing out), एफ.ए.डी. (facebook Addiction Disorder) जैसे मानसिक रोग
- सार्वजनिक जीवन का वस्तुकरण।
- लाइक सीकिंग की प्रवृत्ति।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- आभासी जीवन जीना।

क्या किया जाये - माता-पिता द्वारा प्रयोग के घंटे निर्धारित किये जाये

- मीडिया - नैतिकता का निर्माण।
- कंटेंट, कंडक्ट व कॉन्टेक्ट रिस्क को कम किया जाये।

वीडियो गेम :- PUBG व ब्लू व्हेल गेम के कारण आक्रामकता, आत्महत्या, हृदय घात होने के मामले।

- सहिष्णुता व अहिंसा के मूल्यों के विपरीत।

क्या किया जाये - बच्चों को निश्चित आयु तक दूर रखा जाये।

- शिक्षा के पाठ्यक्रम में इनके दुष्प्रभावों को शामिल किया जाये

अतः उपर्युक्त उपायों द्वारा इस प्रवृत्ति को रोका जा सकता है। साथ ही मानसिक विशेषज्ञों द्वारा उचित परामर्श लिया जाना चाहिये।